भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान

चौदहवां दीक्षांत समारोह

22 अप्रैल, 2019

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में 22 अप्रैल, 2019 को **चौदहवां दीक्षांत समारोह** मनाया गया । संस्थान देश का एक शीर्षस्थ मात्स्यिकी संस्थान है जिसकी जलकृषि और मत्स्य पालन के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धियां रही हैं । **डा. त्रिलोचन महापात्र**, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE), भारत सरकार एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), नई दिल्ली दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे । **डा. जयकृष्ण जेना**, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी) भा.कृ.अनु.प. द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई ।

डा. गोपाल कृष्णा, निदेशक व कुलपति, भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान की मुख्य शैक्षिक और अनुसंधान उपलब्धियों पर प्रकाश डाला । इसके साथ ही उन्होंने संस्थान द्वारा प्रमुख कार्यक्रमों एवं उठाए गए नए शैक्षणिक प्रयासों को भी रेखांकित किया । **डा. जयकृष्ण जेना** ने अपने उद्‌बोधन में भारत में मात्स्यिकी के संवहनीय विकास के लिए मात्स्यिकी संस्थानों द्वारा सामूहिक प्रयास किए जाने पर बल दिया । मुख्य अतिथि **डा. त्रिलोचन महापात्र** ने अपने दीक्षांत भाषण में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए जलकृषि के महत्व पर जोर दिया एवं नीली क्रांति लाने और किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया । उन्होंने स्नातकों को "जॉब सीकर्स" के बजाय "जॉब प्रोवाइडर" बनने के साथ ही उद्यमिता विकास की आवश्यकता पर भी जोर दिया । इसके साथ ही उन्होंने जीवकोपार्जन और जीवन जीने के तरीके दोनों के शिक्षण को समान रुप से महत्वपूर्ण बताया । दीक्षांत समारोह के दौरान **डा. एस अय्यप्पन**, कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल एवं **डा. हर्ष कुमार भनवाल**, चेयरमैन (नाबार्ड) को डी.एससी. की मानद उपाधि प्रदान की गई । 80 छात्रों को पीएच डी की उपाधि प्रदान की गई एवं 134 छात्रों को एम.एफ.एससी. की डिग्री प्रदान की गई । वर्ष 2015 -17 के 15 एवं वर्ष 2016-18 के 15 छात्रों सहित कुल 30 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए । वर्ष 2015-17 के लिए शीर्ष श्रेणी **सुश्री जेरुशा एस.** एवं 2016-18 के लिए शीर्ष श्रेणी **सुश्री जेनिश्मा जे. एस.** ने प्राप्त किया ।